whose reply needs three or four sentences. They may not be included in that.

About evaluation, we are conscious of this. The University has made arrangements with independent agencies which will look after the question papers and giving of marks. The University will not be giving it; the outside agency will do it.

SHRI EDUARDO FALEIRO: I am not clear about it. Will they consider computerisation of evaluation? Secondly, if outside agencies are there, they must be an outside expert agency like UPSC or NCERT, not any outside agency. I want to know about UPSC and computerisation.

SHRIMATI SHEILA KAUL: I am sorry, I would not like to tell you about it, because there are irregularities there also. So, I would like to be quite on that. Of course, every possibility will be explored. As regards the use of computers, what you have mentioned just now, we will try to find it as soon as possible.

SHRI EDUARO FALEIRO: What about showing the marks?

SHRIMATI SHEILA KAUL: It is a very good suggestion. We hope to do it. This time we will ask University to show the marks of the students who have passed as well as of those who have failed. That will be to the satisfaction of the students, parents and others.

MATTERS UNDER RULE 377

(i) FACILITAES FOR TSE PILGIMAGE TO KAILASH-MANSAROVAR.

13.00 hrs.

श्री हरीश रावत (अल्मोड़ा) : अध्यक्ष महोदय, भारत-चीन सम्बन्धों के सामान्यीकरण की प्रक्रिया चल रही है। हम इसका स्वागत करते हैं। चीन के तत्कालीन विदेश मंत्री की भारत यात्रा के दौरान जहां चीन में स्थित कैलाश-मानसरोवर नामक पवित्र तीर्थ स्थान की यात्रा प्रारम्भ किए जाने के सन्दर्भ में समझौता हुआ, वहां व्यापार सम्बन्धों को प्रारम्भ करने के सम्बन्ध में भी परस्पर सहमति प्रकट की गई। मैं इन दोनों बिन्दुओं पर निम्न बातें विदेश मंत्री जी के ध्यान में लाना चाहता हूं :—

1. कैलाश मानसरोवर यात्रा को इस वर्ष अप्रैल के अन्तिम सप्ताह या मई के प्रथम सप्ताह में प्रारम्भ कर दिया जाना चाहिए।

2. इस यात्रा हेतु वीजा माईग्रेशन कार्यालय पिथौरागढ़ में खोला जाना चाहिए।

3. कम से कम पांच हजार तीर्थ यात्रियों को इस वर्ष इन स्थानों में भेजे जाने की अनुमति हेतु चीन सरकार से वार्ता की जानी चाहिए।

4. इस परम्परागत यात्रा मार्ग को और अधिक सुविधाजनक तथा सुगम बनाने हेतु केन्द्र सरकार को उत्तर प्रदेश सरकार से वार्ता करनी चाहिए तथा और अधिक आर्थिक मदद इस हेतु प्रदेश सरकार को दी जानी चाहिए। इस यात्रा मार्ग में टूरिस्ट हट्स, डिस्पेंसरीज सस्ते गल्ले की दुकानें तथा टेलीफोन केन्द्र आदि शीघ्र खोले जाने चाहिएं।

5. इस यात्रा मार्ग की यात्रा अवधि को घटाने के लिए आवश्यक है कि गुंजी-कालापानी तक मोटर मार्ग का निर्माण द्रुत गति से करावाया जाए। इस स्थिति में नेपाल व अन्य देशों में हिन्दू तीर्थ यात्री भी इस स्थान की यात्रा करना चाहेंगे।

[श्री हरीश रावत]

6. स्थान पिथौरागढ़, जोकि इस यात्रा मार्ग का महत्वपूर्ण केन्द्र स्थान है यहां एक हवाई श्रड्डे का निर्माण करने तथा इसे वायूदूत सेवाश्रों से शीघ्र सम्बद्ध किए जाने हेतु नागरिक उड्डयन विभाग से वार्ता की जानी चाहिए ।

7. इस यात्रा मार्ग के धारचूल मुन्सियारी क्षेत्रों के निवासियों को जिन्हें तिब्बत के क्षेत्र का व्यापक श्रनुभव है उन्हें टूरिस्ट गाइड की ट्रेनिंग देकर इन यात्रा ट्रप्स के मार्गदर्शन का दायित्व सौंपा जाना चाहिए ।

8. इस यात्रा को सामान्य व्यक्ति के लिए सुलभ बनाने हेतु सामान्य यात्रा गाड़ियों तथा जनता भोजनालयों की भी व्यवस्था होनी चाहिए ।

9. तिब्बत क्षेत्र में यात्रा के संयोजन हेतु तकलाकोट में कंसुलेट कार्यालय खोले जाने हेतु चीन सरकार से वार्ता की जानी चाहिए ।

10 चीन क्षेत्र में यात्रा को श्रधिक सुगम व उपयुक्त बनाने हेतु ताकि यात्रियों को सामान्य भारतीय भोजन श्रादि प्राप्त हो सके इस सन्दर्भ में चीन सरकार से वार्ता की जानी चाहिए ।

11. निषिद्ध क्षेत्र, जौलजीवी के बजाए गुन्जी से श्रागे के क्षेत्र को घोषित किया जाना चाहिए ।

12. श्रधिक उपयुक्त होगा इस यात्रा की व्यवस्था एवं संचालन श्रादि हेतु एक समिति जिनमें जनप्रतिनिधि यात्रा लाइन क्षेत्र के प्रतिनिधि, सरकारी प्रतिनिधि श्रादि सम्मिलित हों, बनाई जानी चाहिए ।

13. स्वामी परमानन्द जी जिन्हें इन पुण्य स्थानों की यात्रा का व्यापक श्रनुभव है तथा जिन्होंने इस सन्दर्भ में पुस्तक लिखी उस पुस्तक को सरकार को चाहिए कि श्रधिक मात्रा में छपवाने की व्यवस्था करे ताकि यात्री इस पुस्तक के माध्यम से यात्रा का पूर्वानुमान कर सकें ।

श्रत: विदेश मंत्री जी से श्रनुरोध है कि उपरोक्त क्रम में शीघ्रातिशीघ्र कार्यवाही करने की कृपा करें ।

13.00 hrsfl

(ii) FINANCIAL ASSISTANCE TO HIMACHAL PRADESH FOT RELIEF MEASURES IN AREA AFFECTED BY HAILSTONE AND HEAVY RAINS.

श्री कृष्ण दत्त सुलतानपुरी (शिमला) : हाल ही में हिमाचल में भीषण श्रोलावृष्टि तथा हिमपात हुए हैं, जिनके कारण काफी नुक्सान हुश्रा है । खड़ी फसलें नष्ट हुई हैं तथा मकानों, सड़कों श्रादि को भी भारी हानि पहुंची है । इसके श्रतिरिक्त समाचार पत्रों में प्रकाशित समाचारों के श्रनुसार श्रति शीत श्रादि के कारण कई व्यक्तियों की भी मृत्यु हुई है । हिमपात के कारण सारी यातायात एवं संचार की व्यवस्था ठप्प हो गई है, जिसके कारण वहां की जनता को श्रधिक कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है । श्रत: इस महत्वपूर्ण समस्या को लोक सभा में उठाकर सदन एवं सरकार का ध्यान श्राकर्षित कराया जाना उचित है ।

इसके श्रलावा जिला सिरमौर में बता नदी गिरि जमुना, लालागढ़ में सरका नदी तथा छोटी-छोटी नदियों में बहुत ज्यादा पानी श्राने के कारण बहुत से लोगों की जमीन इससे खराब हो गई है । जिला शिमला में सेब के वृक्ष नष्ट हो चुके हैं । सरकारी जंगलों में जो वन विभाग द्वारा वृक्षारोपण हुश्रा था वह भी नष्ट हो गए हैं । जिन भूमिहीन लोगों को 20 सूत्री प्रोग्राम में भूमि दी गई थी उनकी भूमि भी उससे नष्ट हो गई है, जिसकी पूर्ति